1 बेटी

पढ़ना-लिखना, तरक्की करना एवं दुनिया में उजियारा फैलाने में नारी कभी पीछे नहीं रही। वह खुद स्वाभिमान से जी कर स्वनिर्भर बन सकती है। वह सम्मान की अधिकारिणी है। समाज व राष्ट्र की उन्नति में नारी महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

प्रस्तुत कविता में एक बालिका की आशा एवं भावनाओं की अभिव्यक्ति द्वारा उसके आत्मविश्वास को व्यक्त किया गया है।

बेटी हूँ मैं बेटी.... मैं तारा बनूँगी
तारा बनूँगी, सहारा बनूँगी....
बेटी हूँ मैं.....
गगन पे चमके चंदा, मैं धरती पे चमकूँगी,
धरती पर चमकूँगी, मैं उजियारा करूँगी....
बेटी हूँ मैं.....

पढ़ूँगी-लिखूँगी मैं मेहनत करूँगी,
अपने पाँव चलकर मैं दुनिया को देखूँगी
दुनिया को देखूँगी मैं दुनिया को समझूँगी
बेटी हूँ मैं.....

फूल जैसी सुंदर मैं बागों में खिलूँगी,
तितली बनूँगी मैं हवा को चूमूँगी,
हवा को चूमूँगी, नाचूँगी, गाऊँगी,
बेटी हूँ मैं.....

शब्दार्थ

सहारा आश्रय, आधार **गगन** नभ **चमकना** जगमगाना, (यहाँ) उन्नति करना **उजियारा** उजाला, प्रकाश **तितली** रंगबिरंगी उड़ता पतिंगा, पतंगियुं (गुज.)

मुहावरे

तारा बनना श्रेष्ठ बनना **अपने पाँव पर चलना** आत्मनिर्भर बनना

अभ्यास

प्रश्न 1. इस काव्य का आरोह-अवरोहयुक्त समूहगान कीजिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :

(1) आत्मनिर्भर बनने के लिए आप क्या करेंगे?

(2) बेटी पढ़ लिखकर क्या करेगी?

(3) बेटी की तरह आप किसी का सहारा बनने के लिए क्या-क्या करेंगे?

(4) बड़े होकर आप क्या बनना चाहते हैं? क्यों?

(5) आप जीवन में क्या करना चाहते हैं?

प्रश्न 3. बॉक्स में दिए गए शब्दों के अर्थ शब्दकोश में से ढूँढ़कर, उन्हें शब्दकोश के क्रम में पत्तियों में लिखिए :

- मिसाल
- गर्व
- अम्बर
- शान
- कष्ट

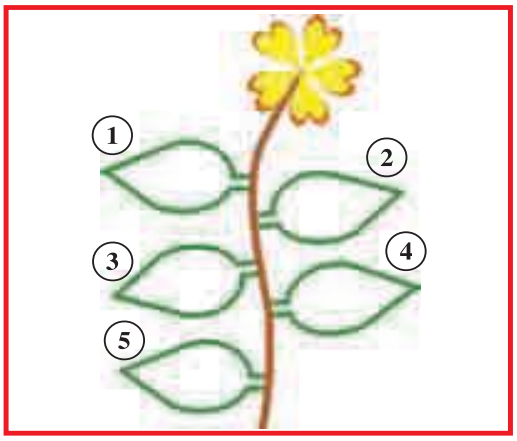

प्रश्न 4. निम्नलिखित शब्दों को उदाहरण के अनुसार उचित क्रम में रखकर अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए :

उदाहरण : • शब्द - चाहिए, का, प्रसार, घर-घर, होना, में, शिक्षा।

• वाक्य - घर-घर में शिक्षा का प्रसार होना चाहिए।

(1) पेड़, भारत, का, की, है, मूलतः, नीम, धरती।

(2) नीम, है, दातुन, श्रेष्ठ, की, होती, दाँतों, लिए, के।

(3) दीया, जलाकर, दिया, रख, में, आँगन।

(4) अधीरता, दिखानी, हमें, में, नहीं, खाने, चाहिए।

(5) विनम्रता, चाहिए, व्यवहार, हमारे, में, होनी, भी।

स्वाध्याय

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) बेटी सहारा बनने के लिए क्या-क्या करेगी?

(2) बेटी दुनिया को कैसे समझना चाहती है?

(3) बेटी तितली बनकर क्या करना चाहती है?

(4) बेटी की क्या-क्या तमन्नाएँ हैं?

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यपंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

(1) गगन पे चमके चंदा, मैं धरती पे चमकूँगी,
धरती पर चमकूँगी, मैं उजियारा करूँगी....

(2) पढ़ूँगी-लिखूँगी मैं मेहनत करूँगी,
अपने पाँव चलकर मैं दुनिया को देखूँगी
दुनिया को देखूँगी मैं दुनिया को समझूँगी।

प्रश्न 3. उदाहरण के अनुसार विलोम शब्द का प्रयोग कीजिए :

उदाहरण : सफल - असफल

- **वाक्य प्रयोग** (1) तेनसिंग एवरेस्ट पर पहुँचने में सफल हुए।
  (2) कई बार मेहनत करने पर भी आदमी असफल होता है।
- **शब्द** (1) आकाश (2) उजियारा (3) इधर (4) भलाई (5) पाना

प्रश्न 4. उदाहरण के अनुसार वचन परिवर्तन करके वाक्य में प्रयोग कीजिए :

उदाहरण : घोड़ा - घोड़े

- **वाक्य प्रयोग** (1) घोड़ा दौड़ रहा है।
  (2) घोड़े दौड़ रहे हैं।
- **शब्द** (1) मैं (2) बच्चे (3) खिलौना (4) खेत

भाषा-सज्जता

- **निम्नलिखित शब्दों को पढ़िए :**

(1) केशा साहसी बालिका थी।

(2) बगीचे में सुन्दर फूल खिले थे।

(3) भारत ने श्रीलंका को **तीन** विकेट से हराया।

(4) बाल्टी में थोड़ा-सा पानी है।

(5) वह आदमी जा रहा था।

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द 'साहसी', 'सुन्दर', 'तीन', 'थोड़ा-सा' और 'वह' संज्ञा की विशेषता बताते हैं।

जो शब्द संज्ञा की विशेषता बताता है, उसे 'विशेषण' कहते हैं।

- **निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए :**

(1) हमारे देश में ईमानदार लोग ज्यादा हैं।

(2) मुंबई जाने के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ता है।

(3) कौए का रंग काला होता है।

(4) खरगोश का शरीर मुलायम होता है।

(5) शरीर के साथ मन स्वस्थ रखना जरूरी है।

(6) भारतीय संस्कृति विश्व में प्रसिद्ध है।

(7) पानी गंधहीन होता है।

(8) पूर्व दिशा में सूर्योदय होता है।

उपर्युक्त वाक्यों में 'ईमानदार', 'लंबा', 'काला', 'मुलायम', 'स्वस्थ', 'भारतीय', 'गंधहीन', 'पूर्व' शब्दों को रेखांकित किया गया है। वे शब्द संज्ञा के गुण-दोष, आकार, रंग-रूप, स्पर्श, दशा-अवस्था, स्थान, देश-काल, स्वाद-गंध और दिशा को प्रदर्शित करते हैं।

जिस शब्द से संज्ञा का गुण-दोष, आकार, रंग-रूप, स्पर्श, दशा-अवस्था, स्थान, देश-काल, स्वाद-गंध और दिशा का बोध होता हो, उसे 'गुणवाचक विशेषण' कहते हैं।

प्रश्न 1. निम्नलिखित वाक्यों में से गुणवाचक विशेषण छाँटकर ☐ में लिखिए :

(1) वरदराज चतुर बालक था. ☐

(2) फूल बाज़ार में पीले गुलाब मिलते हैं। ☐

(3) मिर्च का स्वाद तीखा होता है। ☐

(4) शहरों में पंजाबी खाना मिलता है। ☐

(5) सफ़ेद कपड़ों में दाग तुरन्त दिखाई देता है। ☐

इतना जानिए

- **गुणवाचक विशेषण संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की निम्नलिखित विशेषताओं का बोध कराता है :**

(1) **गुण-दोष :** ईमानदार, बुद्धिमान, चतुर, योग्य, अच्छा, बुरा, बेईमान, दुष्ट, क्रूर, आलसी, अयोग्य, पापी आदि।

(2) **आकार :** गोल, चौड़ा, लंबा, पतला, छोटा, मोटा, वर्गाकार, तिकोना आदि।

(3) **रंग-रूप :** सफेद, काला, पीला, साँवला, गोरा, मैला, चमकीला आदि।

(4) **स्पर्श :** कोमल, कठोर, खुरदरा, चिकना, मुलायम आदि।

(5) **दशा-अवस्था :** स्वस्थ, कमजोर, बीमार, दुर्बल, रोगी, बूढ़ा, युवा आदि।

(6) **स्थान, देश-काल :** ग्रामीण, प्राचीन, भारतीय, शहरी, जापानी, पंजाबी आदि।

(7) **स्वाद-गंध :** मीठा, खट्टा, चटपटा, कड़ुआ, फीका, तीखा आदि।

(8) **दिशा :** पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण आदि।

- **[अ] निम्नलिखित वाक्यो को पढ़िए :**

(1) प्रयाग तीन नदियों का संगम स्थान है।

(2) आज केवल आधा लीटर दूध चाहिए।

(3) गौरव तीसरी कक्षा में पढ़ता है।

(4) सचिन वन-डे में दुहरा शतक लगा चुके हैं।

(5) हमारे देश की चारों दिशा रक्षित हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में 'तीन', 'आधा', 'तीसरी', 'दुहरा', 'चारों' आदि शब्दों को रेखांकित किया गया है, ये शब्द पूर्णांक बोध, अपूर्णांक बोध, क्रमवाचक, आवृत्तिवाचक और समूहवाचक संख्या का बोध कराते हैं।

जिस शब्द से वस्तु की निश्चित संख्या का बोध होता हो, उसे 'निश्चित संख्यावाचक विशेषण' कहते हैं।

- **[ब] निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए :**

(1) कई लोग नर्मदा की परिक्रमा करते हैं।

(2) कुछ लड़कों ने पर्यावरण बचाने का बीड़ा उठाया है।

(3) ज्यादा लोग बैठने से नाव उलट गई।

उपर्युक्त वाक्यों में 'कई', 'कुछ', 'ज्यादा' आदि शब्दों को रेखांकित किया गया है। ये शब्द अनिश्चित संख्या का बोध कराते हैं।

जिस शब्द से वस्तु की निश्चित संख्या का बोध न होता हो, उसे 'अनिश्चितवाचक विशेषण' कहते हैं।

इतना जानिए

- **निश्चित संख्यावाचक विशेषण के कुछ अन्य भेद हैं :**

(1) **पूर्णांक बोधक :** एक, तीन, नौ, हजार आदि।
(2) **अपूर्णांक बोधक :** आधा, पाव, पौना, डेढ़, ढ़ाई आदि।
(3) **क्रम वाचक :** पहला, दूसरा, तीसरा, चोथा आदि।
(4) **आवृत्ति वाचक :** दुगुना, चौगुना, इकहरा, दुहरा आदि।
(5) **समूह वाचक :** दोनों, तीनों, चारों आदि।

प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्दों में से निश्चितवाचक और अनिश्चितवाचक विशेषण को छाँटकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

(1) कई (2) थोड़ा (3) पचास (4) ढाई (5) बहुत
(6) कुछ (7) चौगुना (8) चौथा (9) ज्यादा (10) चारों

योग्यता विस्तार

- **प्रकल्प कार्य (Project Work)**
- भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान देनेवाली नारियों की जानकारी प्राप्त करना।
  मुद्दे : जन्म - बाल्यकाल - शिक्षा - जिस क्षेत्र में योगदान दिया है उसका विवरण (सचित्र जानकारी)
- टेपरिकार्डर या डी.वी.डी. के माध्यम से ऐसी अन्य कविता सुनाइए।
- झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के बारे में निम्नलिखित काव्य पंक्तियों का गान कीजिए :
  [यह काव्य सुभद्राकुमारी चौहान रचित है।]

"कानपुर के नाना की मुँहबोली बहिन छबीली थी,
लक्ष्मीबाई नाम पिता की वह संतान अकेली थी,
नाना के संग पढ़ती थी वह नाना के संग खेली थी,
बर्छी, ढाल, कृपाण, कटारी उसकी यही सहेली थी,
वीर शिवाजी की गाथाएँ, उसको याद जबानी थी,
बुंदेलों, हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसीवाली रानी थी।"

- अपने गाँव / शहर की ऐसी बेटियों से मिलें, जिसने किसी क्षेत्र-विशेष में सफलता प्राप्त की हो और जानें कि उन्होंने यह सफलता कैसे प्राप्त की।